Even (2021-22)

Dayanand Mahila Mahavidyalaya, Kurukshetra

Notice

Date: 11/05/20

All the students are hereby informed tha History Society is organizing an Inter class/~~college~~ Extension lecture on the topic-"Shaheed-e-Azam Bhagat Singh: Freedom fighter and thinker ~~competition~~ on 14-05-2022 at 11:00 a.m./p.m. in the ~~Hall~~/Seminar Room. Interested students should give their names to the undersigned teachers latest by —.

All the students are hereby

Principal

Principal
Dayanand Mahila Mahavidyalaya

14-05-2022 at 11:00 a.m./p.m.

Convener

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र
प्रैस नोट

दिनांक 13.05.2022

आज दिनांक 13.05.2022 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र में इतिहास विभाग के द्वारा प्राचार्या डॉ0 विजेश्वरी शर्मा जी के निर्देशानुसार विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया, जिसके मुख्य वक्ता प्रो0 एस0 के0 चहल, चेयरपर्सन, इतिहास विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र रहे। विस्तार व्याख्यान का मुख्य विषय 'शहीद–ए–आजम भगत सिंह– क्रान्तिकारी व विचारक' रहा। प्रारम्भ में इतिहास विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ0 रूकमेश चौहान ने मुख्यातिथि व प्राचार्या महोदया का स्वागत किया। डॉ0 एस0 के0 चहल ने बताया कि भगत सिंह को बहुत छोटी उम्र में फांसी की सजा हो गई थी परन्तु उन्होंने भारतीय इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखवाया, क्योंकि जिस समय उनका जन्म हुआ उस समय पंजाब में कुका आंदोलन व गदर आंदोलन का प्रभाव था वही दूसरी ओर भगत सिंह को उनके चाचा अजीत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, करतार सिंह सराभा, राम सिंह व यूरोप के बड़े–बड़े विद्वानों जैसे-कार्लमार्क्स व रूसी क्रान्ति के जनक लेनिन ने प्रभावित किया। भगत सिंह एक बहुत बड़े संगठनकर्ता थे इसी संदर्भ में उन्होंने नौजवान भारत सभा व हिन्दुस्तान सोसलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन जैसी संस्थाओं की स्थापना करके नौजवान युवाओं में जोश पैदा किया। डॉ0 चहल ने ~~स्ह~~ बताया कि लोगों के मन में अक्सर सवाल आता है कि गांधी जी ने गोलमेज सम्मेलन के दौरान इंग्लैंड में लार्ड इर्विन से फांसी की सजा को माफ करवाने की बात क्यों नहीं की, इस संदर्भ में डॉ0 चहल ने बताया कि गांधी जी अंहिसा के पुजारी थे और भगत सिंह की विचारधारा उनसे मेल नहीं खाती थी, परन्तु फिर भी उन्होंने भगत सिंह व साथियों को बचाने का प्रयास किया था। अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 विजेश्वरी शर्मा ने मुख्यातिथि व छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर इतिहास विभाग की सभी छात्राएं व प्राध्यापिका वर्ग में सुश्री मनीषा उपस्थित रहीं।

पंजाब केसरी

14 मई 2022

शहीद-ए-आजम भगत सिंह- क्रान्तिकारी व विचारक विषय पर विस्तार व्याख्यान आयोजित

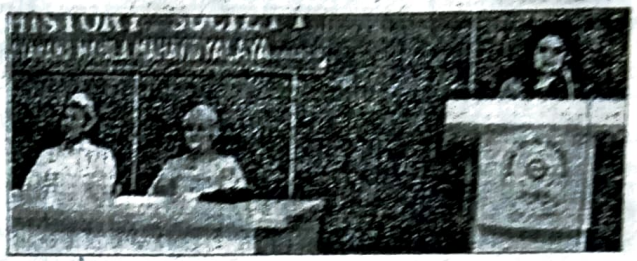

कार्यक्रम में भाग लेते मुख्य वक्ता व अन्य। (जगदीश)

कुरुक्षेत्र, 13 मई (विनोद अरोड़ा): दयानन्द महिला महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्या डा. विजेश्वरी शर्मा के निर्देशानुसार विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया, जिसके मुख्य वक्ता प्रो. एस.के. चहल चेयरपर्सन इतिहास विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र रहे। विस्तार व्याख्यान का मुख्य विषय शहीद-ए-आजम भगत सिंह- क्रान्तिकारी व विचारक रहा। प्रारम्भ में इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रूकमेश चौहान ने मुख्यातिथि व प्राचार्या का स्वागत किया। डा. एस.के. चहल ने बताया कि भगत सिंह को बहुत छोटी उम्र में फांसी की सजा हो गई थी परन्तु उन्होंने भारतीय इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखवाया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह एक बहुत बड़े संगठनकर्ता थे इसी संदर्भ में उन्होंने नौजवान भारत सभा व हिन्दुस्तान सोसलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन जैसी संस्थाओं की स्थापना करके नौजवान युवाओं में जोश पैदा किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. विजेश्वरी शर्मा ने मुख्यातिथि व छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर इतिहास विभाग की सभी छात्राएं व प्राध्यापिका वर्ग में मनीषा उपस्थित रहीं।

Extension Lecture on 13.5.2022 - Saheed Azam Bhagat Singh freedom fighter and thinker

वार्षिक रिपोर्ट - 2021-22
इतिहास विभाग

इतिहास परिषद् की ओर से विभागाध्यक्षा डा. रूमेश चौहान के निर्देशन में महात्मा गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर 02-10-2021 को 'स्वदेशी आंदोलन में महात्मा गांधी का योगदान, अहिंसा और सत्याग्रह पर गांधी जी के विचार, तथा आधुनिक समय में गांधी जी कि विचारधारा का महत्व विषय पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. तेजस, बी.ए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान कु दिव्या बी.ए तृतीय वर्ष, तृतीयस्थ कु. चारू, बी.ए द्वितीय वर्ष, सांत्वना पुरस्कार कु नीरू बी.ए द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। 14.05.2022 को विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया, जिसका विषय 'शहीद-ए-आजम भगत सिंह : फ्रीडम फाईटर एण्ड थिंकर रहा। मुख्य वक्ता प्रो. सरवर कुमार जो विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र रहे। व्याख्यान के दौरान भगत सिंह के संपूर्ण जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला गया।

DR. Rumesh
28/6/2022